ब्रज गोपी के भाव सुन जगद्गुरु हुए मंत्रमुग्ध

मथुरा। पद्म विभूषण तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के 74वां जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर श्री बालाजी गोशाला संस्थान एवं पुजारी परिवार, सालासर के तत्वावधान में आयोजित ब्रज रत्न वंदनाश्री मथुरा द्वारा श्रीकृष्ण रस धारा का दिव्य मंचन प्रस्तुत हुआ।

वंदनाश्री ने अपनी गायकी से सिद्ध कर दिया कि ब्रज रस की महिमा, वाणी का माधुर्य और ब्रज गायिका का सरसगान क्या होता है। विशुद्ध पदों वाले लोकगीतों के आत्मविभोर करने वाले गान ने दर्शकों एवं अतिथियों का मन मोहा। एक से बढ़कर एक भजनों एवं भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का मंचन किया गया। विश्व प्रसिद्ध ब्रज लट्ठमार फूलों की होली से कार्यक्रम को विश्राम दिया गया। वंदनाश्री की प्रशंसा सुनकर सद्गुरु ने पद गायन सुना और स्वयं भी सुनाया कान्हा मैं तेरे मोरन की बलिहारी, कान्हा में बांस वंश की भी बलियारी हूं। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ गोशाला अध्यक्ष रविशंकर पुजारी, उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास, यज्ञ सम्राट बालयोगेश्वर दास महाराज, दीपक शर्मा, दामोदर व पुजारी परिवार ने किया। संवाद